

बार-बार अपूर्ण बनी रहने वाली लालसा या कामना। *greed* 3. अन्य व्यक्ति से वस्तु या धन प्राप्त करने की प्रबल लालसा या बलवती इच्छा 4. कंजूसी, कृपणता 5. जैन धर्म में वह कर्म जिसके कारण मनुष्य किसी तरह के त्याग से दूर बना रहता है।

**लोभन** पुं. (तत्.) 1. लोभ, लालच 2. सोना, स्वर्ण।

**लोभना** अ.क्रि. (तद्.) लोभ करना, लुभाना, लुब्ध या मुग्ध होना स.क्रि. लुभाने की क्रिया करना, लुभाना, लुब्ध या मुग्ध करना।

**लोभनीय** वि. (तत्.) 1. लुभाने वाला (वाली), आकर्षक मनोहर 2. जो लोभ या आकर्षण पैदा करता हो।

**लोभाना** अ.क्रि. (तद्.) 1. लुभाना, लोभित होना स.क्रि. लोभित करना, लालच, लोभ या आकर्षण पैदा करना।

**लोभार** वि. (तद्.) लुभावना, लोभ या लालच पैदा करने योग्य, लोभनीय।

**लोभित** (तत्.) 1. लोभ में आया हुआ 2. लुभाया हुआ 3. लोभ या लालच से ग्रसित 4. जिसे लुब्ध किया गया हो।

**लोभी** वि. (तत्.) 1. जिसे किसी प्रकार का प्रबल लालच, लालसा या लोभ हो, लालची 2. प्रायः अधिक लालच या लोभ करने वाला 3. लुब्ध, लुभाया हुआ। *greedy*

**लोभ्य** वि. (तत्.) 1. लोभ या लालच करने योग्य, लोभनीय 2. अधिक आकर्षक, आकर्षणीय।

**लोम** पुं. (तत्.) 1. रोएँ, रोम, शरीर के छोटे-छोटे बाल 2. केश, बाल पुं. लोमश, लोमड़ी।

**लोमकर्ण** पुं. (तत्.) खरगोश, शाशक।

**लोमकूप** पुं. (तत्.) शरीर के रोम या रोओं के नीचे के छेद, रोमछिद्र, रोमरंध्र।

**लोमघ्न** पुं. (तत्.) वह रोग जो सिर के बालों को उड़ाकर उसे गंजा कर देता है, गंज-नामक सिर के बालों का रोग वि. लोमनाशक, रोमध्वंसक।

**लोमड़ी** स्त्री. (देश.) एक जंगली हिंसक पशु जो कुत्तों की जाति का होता है तथा प्रकृति से बहुत चालाक माना जाता है 2. लाक्ष.अर्थ चालाक नारी।

**लोम-नाशक** वि. (तत्.) 1. शरीर के बालों को उड़ा देने वाला जिसके लगाने से शरीर के रोएँ या बाल झड़ जाते हैं आयु. औषध या पदार्थ।

**लोमपाद** पुं. (तत्.) रोमपाद, बंग देश के एक नरेश जो राजा दशरथ के मित्र थे या माने जाते थे।

**लोमपादपुर** पुं. (तत्.) वर्तमान भागलपुर का एक प्राचीन नाम, चंपा नगरी।

**लोम-विलोम** पुं. (तत्.) साहित्य में एक ऐसा शब्दालंकार जिसके अनुसार रचना पद या वाक्य को इस प्रकार नियोजित किया जाता है कि सीधी तरफ से पढ़ने से जो अर्थ निकलता है, उसे उल्टी तरफ से पढ़ने से उसका कुछ अलग और भिन्न भाव या अर्थ निकलता है जैसे- "चीर सबे निमिकाल फलै" को उल्टी ओर से पढ़ने पर "लै फल कामिनि बेस रची" पढ़ा जाएगा।

**लोमश** पुं. (तत्.) पुराणों के अनुसार अमर माने गए एक ऋषि जो महाभारत काल में युधिष्ठिर के साथ तीर्थयात्रा पर जाते हुए उन्हें सभी तीर्थों का वृत्तांत तथा महत्व बताते रहे थे 2. भेड़ा या मेष वि. 1. बड़े-बड़े रोओं वाला 2. घने बालों वाला।

**लोमश-मार्जार** पुं. (तत्.) गंध बिलाव नामक जंतु।

**लोमशा** स्त्री. (तत्.) वैदिक कालीन अनेक मंत्रों की रचयिता एक नारी (विदुषी) 2. बच 3. अतिबला 4. केवांच 5. काक-जंघा 6. शृगाली, लोमड़ी, सियारिन।

**लोमस** पुं. (तत्.) दे. लोमश (लोमश ऋषि)।

**लोमहर्षक** वि. (तत्.) रोमहर्षक, भय या प्रसन्नता आदि के कारण रोंगटे खड़े कर देने वाला, रोमांचक, रोमांचकारी।

**लोमहर्षण** पुं. (तत्.) 1. हर्ष या भय के कारण, रोमांच, रोंगटे खड़े होने की अवस्था, स्थिति या